ARUN COMPUTER & IT

📖 PDF Study Material

For PGDCA & DCA Examination

💻 Financial Accounting with Tally 💻

Unit-3

📚 विषय सूची:

- Reports-Balance sheet, P&L account
- Trial Balance, ratio-analysis
- Accounts books, cash books,
- Sales, Purchase and journal register
- Reversing Journals, Optional Vouchers

हमारी वेबसाइट से डाउनलोड करें

Latest version available only at: www.hamararewa.in

Prepared & Updated by Arun Computer © 2026 All Rights

www

Syllabus- Unit 3- Reports like balance sheet, Profit & loss account, Ratio analysis Trial Balance, Accounts books like cash/bank book, All ledgers Group summary & vouchers, Sales, purchase & journal registers.
Cost centre & category summary, Cost centre breakup ledger & group breakup outstanding receivables & payables, interest receivable & payable, Statistics, Cash fund flow, Day book list of Accounts, Reversing journals, optional vouchers, post dated vouchers

Balance sheet in Tally : -

Balance sheet एक written statement होता है जो company के हर एक details को दिखाता है, । इससे यह पता चलता है की कंपनी profit कर रही है या loss । Balance sheet साल के अंत मे बनाते है जिससे यह पता चलता है कि कम्पनी की इस समय financial position क्या है।

यह एक वित्तीय विवरण है, जो व्यवसाय के दायित्व और संपत्ति)Labilities & Assets) को दर्शाता है, Balance sheet के माध्यम से व्यवसाय के स्वामी को ज्ञात होता है कि हमारे कितने दायित्व है जिसे हमें चुकाना है और कितनी संपत्ति है साथ ही साथ Income Receivable और Expense Payable की जानकारी प्राप्त होता है जिससे कंपनी और व्यवसाय का संचालन अच्छे से किया जा सके .Tally में बैलेंस शीट का शॉर्टकट “B” भी होता है.

Balance sheet को हम दो भागों में बांट सकते हैं Assets & Liabilities. जिसमें Transaction के अनुसार Assets & Liabilities कैटेगरी में डाटा को इनपुट कर सकते हैं.

Balance sheet Format

Assets Section :

1. Current Assets — २Fixed Assets
३ Good Will — ४ -Other Assets

Liabilities Section :

1. Current Liabilities — २ Payables

Gateway of Tally -> Reports -> Balance sheet

alt +F1 डीटेल्स बैंलेंस शीट के लिये

F2 से पीरीयड बदल कर किस भी पीरीयड की बैलेंस शीट देख सकते है।

F12 से बैलेंस शीट कंफीगर कर सकते है।

Company Name Here

Balance Sheet

For the Period Ended ______________

Assets				Liabilities			
Current Assets				**Current Liabilities**			
Cash		XXXXXX		Accounts Payable		XXXXXX	
Short-Term Investments		XXXXX		Salaries Payable		XXXXX	
Accounts Receivables		XXXXX		Accrued Interest		XXXXX	
Inventories		XXXXXXX		Taxes Payable		XXXX	
Prepaid Insurance		XXXXXX		Current Portion of Notes		XXXXXX	XXXXXXXX
Others		XXXXX	XXXXXX				
Long-Term Investments				Long-Term Liabilities			
Stock Investments		XXXXXX		Note Payable		XXXXXX	
Cash Value of Investments		XXXXXXX	XXXXXX	Mortgage Liability		XXXXXX	XXXXXXXX
Fixed Assets				**Total Liabilities**			XXXXXXXX
Land		XXXXXX					
Building and Equipment	XXXXXXX			**Stock Holder's Equity**			
Less Accumulated Depreciation	(XXXXX)	XXXXXX	XXXXXXX	Capital Stock		XXXXXXXX	
				Retained Earnings		XXXXXXX	
Intangible Assets							
Good will			XXXXXXX	**Total Stock Holder's Equity**			XXXXXX
Other Assets							
Receivables from Employees			XXXXXXXX				
Total Assets			XXXXXXXXX	**Total Liabilities**			XXXXXXXXX

Profit & Loss Account in Tally

Profit & Loss Account यह एक वित्तीय विवरण है, जिसमें व्यवसाय के क्रय और विक्रय किए गए लेनदेन के विवरण दर्शाता है, इसके माध्यम से व्यवसाय में हो रहे लाभ और हानि का पता चल पाता है.

Profit and Loss Account में सभी Indirect Expenses (अप्रत्यक्ष व्ययों) को Gross Profit में से घटाया जाता है और सभी Indirect Income (अप्रत्यक्ष आय) को Gross Profit में जोड़ा जाता है। जिससे Net Profit (शुद्ध लाभ) या Net Loss (शुद्ध हानि) का पता लग जाता है। Profit and Loss Account के Debit side उन सारे expenses (खर्चों) को लिखा जाता है जो goods के क्रय-विक्रय से सम्बंधित नहीं होते हैं।

Profit and Loss Account बनाने के लिये Trading Account (व्यापार खाता) में आये हुए Gross Profit या Gross Loss की राशि में वो सारे expenses and losses जो अब तक Trading Account में Debit नहीं किये गए हैं उन्हें अब Debit किया जाता है। इन Expenses में Administration Expenses, Selling Expenses और Distribution Expenses include होते हैं, ये 'Indirect Expenses' कहलाते हैं।

इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि एक businessman को अपने business को अच्छे से चलाने के लिए बहोत सारे खर्चे करने पड़ते हैं जो कि

वे सारे खर्च जो Trading Account में show नहीं किये जाते हैं उन्हें प्राफिट और लास एकाउंट में ले लिये जाते है , जिससे व्यापारी को यह पता चल जाता है कि एक Accounting Period में उसे

कितना Net Profit या Net Loss हुआ । सारे Expenses और Incomes को show करने के बाद दोनों sides का योग या धटाके शुद्ध लाभ या शुद्ध हानि निकल आती है ।

अगर Profit and Loss Account का Credit Side Debit Side से ज़्यादा होता है तो difference को Net Profit कहा जाता है। और दूसरी तरफ अगर Debit Side Credit Side से ज़्यादा है तो इस difference को Net Loss कहते हैं। Net Profit को Capital में जोड़ा जाता है जबकि Net Loss जो आता है उसे Capital से Less या घटाया जाता है। इसलिए Profit and Loss Account prepare किया जाता है।

Tally में Profit & Loss Account शॉर्टकट की “P” भी होता है.

Profit & Loss Account को हम दो भागों में बांट सकते हैं Income & Expenses. जिसमें Transaction के अनुसार Income & Expenses कैटेगरी में डाटा को इनपुट कर सकते हैं.

Profit & Loss Account Format

Income :

1. Sales Account
    1. Sales (+)   Sales Return (-)
2. Closing Stock
3. Indirect Income
    1. Discount Received (+)   Interest Received (+)
4. Other Income

Expenses : Final Account in Tally

1. Opening Stock   Purchase Account   Indirect Expenses

[Company Name]

[Street Address], [City, ST ZIP Code]
[Phone: 555-555-55555] [Fax: 123-123-123456]
[abc@example.com]

Profit & Loss Statement

For the Period Ended ____________________

Income	**$**	**$**
Sales	0000000	
Services	00000000	
Other Income	00000	
Total Income		**0000000**
Expenses		
Accounting	0000000	
Advertising	000000	
Assets Small	000000	
Bank Charges	000000	
Cost of Goods Sold	00000	
Total Expenses		**00000000**
Profit/Loss		**00000000**

Ratio analysis -

यह वित्तीय विश्लेषण के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है । यह रिपोर्ट पहले से बने सूत्र का उपयोग करके व्यवसाय के स्वास्थ्य को बता देती है । उच्च या निम्न अनुपात व्यवसाय की अच्छी या खराब स्थिति को दर्शाता है। यह रिपोर्ट न केवल एक फर्म के बाहर के लोगों जिनकी बैलेंस शीट, लाभ और हानि विवरण आदि जैसे अन्य महत्वपूर्ण वित्तीय विवरणों तक सीधी पहुंच नहीं है, के लिए उपयोगी है, बल्कि आंतरिक प्रबंधन के लिए भी उपयोगी है । Ratio analysis रिपोर्ट से एक कंपनी के हितधारक कंपनी के खातों की बेहतर समझ और वर्तमान वित्तीय परिदृश्य की बेहतर समझ मिल जाती है ।

इस रिपोर्ट में दो भाग होते है। एक में एमाउंट शो हाता है । दसरे भाग में रेशियो शो होता है । इस रिपोर्ट को प्रिंट भी किया जा सकता है । इसकी सहायता से ग्रास प्राफिट रेशियो , नेट प्राफिट रेशियो जाना जाता है। इसके अलावा भी इस रिपोर्ट में बहुत सी व्यवसायिक जानकारी होती है। यह एक शार्ट टर्म रिपोर्ट होती है।

Gateway of Tally → Reports → Ratio Analysis

(shortcut key is R)

Trail Balance Sheet

Trail Balance Sheet को हिंदी में तलपट कहा जाता है, इससे यह जाना जाता है कि वाउचर इंट्री करते समय आंकिक गलती तो नहीं की गयी है। इससे Tally में गलतियों को पहचान कर सुधार लिया जाता है. । ट्रायल बैलेंस में यह पता चलता है कि डेबिट पक्ष का योग क्रेडिट पक्ष के योग के बराबर है कि नहीं । एकाउंटिंग के डबल इंट्री सिस्टम में हमेशा डेबिट पक्ष का योग क्रेडिट पक्ष के योग के बराबर होना चहिये ।

Trail Balance Sheet में एक कंपनी के अंतर्गत बने हुए सभी Ledger Groups दिखाई देते है, कौन सा लेजर किस ग्रुप का है यह भी दर्शाता है, । तलपट Debit और Credit राशि को दिखाता है, जिसके माध्यम से त्रुटियों को ढूंढ कर सही कर सकते हैं। यह सामान्यत: वर्ष के अंत में बनाया जाता है।

कई बार ऐसा हो सकता है कि ट्रायल बैंलेस मिल गया हो लेकिन फिर भी लेजर में अशुद्धियां हों । इसलिये ट्रायल बैलेंस को अंतिम रूप से बही की सत्यता का प्रमाण नहीं माना जा सकता है। यह गणितीय शुद्धता जांचने की एक पद्धति है।

Trail Balance Sheet (तलपट) का Shortcut key DT होता है.

XYZ Company Trial Balance As on 31st January 2019				
S. No.	Heads of Account	Ref	Balance (Rs.)	
			Debit	Credit
1	Cash		20000.00	
2	Accounts recevible		3000.00	
3	Machinery		7000.00	
4	Accounts payable			1500.00
5	Note payable			9500.00
6	Fee revenue			11000.00
7	Unerned revenue			3000.00
8	Common stock			7000.00
9	Advertising expenses		1000.00	
10	Utilities expenses		1000.00	
	Total		32000.00	32000.00

एकाउंट बुक्स

1- Cash/ Bank Book –

कैश बुक में कैश के रिसिट और पेमेंट का रिकार्ड रखा जाता है। It is a book of original entry as well as a ledger account. इसी प्रकार Bank Book बैंक से पेमेंट और रिसिट के रिकार्ड रखने के लिये प्रयोग की जाती है। टैली में Cash/Bank Book में कैश और बैंक से लेनदेन दोनाे का एक ही जगह रखा जाता है। और एक ही स्क्रीन पर देख सकते है।

अगर कैश बैंलेस किसी डेट पर निगेटिव है तो टैली में क्रेडिट कैश बैंलेंस लाल कलर में दिखता है ।

Select Display > Accounts Books > Cash/Bank Books > Drill down from the Cash Ledger and select a particular month and press Enter.

Press F6 (Daily Break Up) .

group summary स्टेटमेंट की सहायता से चुने गये ग्रुप के सभी एकांउट का क्लोजिंग बैलेंस चाहे गये

1. Go to Gateway of Tally > Display > Account Books > Group Summary > Select a group.
2. Select group Indirect Expenses , and press Enter .

Sales Register

में सेल ट्रैजेंक्शन की माहवार समरी और क्लासिंग बैलेंस दिखता है । किसी भी महीने को चुनकर उस महीने की सेल का ट्रेंजेक्शन देख सकते है । डिस्पले को अपनी अवश्यकता के अनुसार बदल सकते है ।

To view Sales Register

Go to Gateway of Tally > Display > Account books > Sales Register. The Sales Register screen is displayed as shown below:

Purchase Register

किसी व्यसाय की समय समय पर हुई परचेज या खरीद परचेज रपिस्टर में देखी जा सकती है । परचेज रपिस्टर से विभिन्न गोदाम में माल के मूवमेंट को भी एनलाइज कर सकते हैं।

वर्ष में किया गया Purchase returns को भी पता कर सकते है । किस पार्टी को परचेज रिटर्न हुआ है , किस कारण से रिटर्न हुआ है एनलाइज कर सकते है ।इससे सप्लायर की क्वालिटी भी पता चल जाती है।

1. Go to Gateway of Tally > Display > Account books > Purchase Register . The Purchase Register appears as shown:

Journal Register

इसमें एक महीने में हुये जनरल वाउचर का रिकार्ड मिल जाता है ।

Go to Gateway of Tally > Display > Account Books > Journal Register .

जर्नल रजिस्टर निम्नानुसार दिखाई देते है:

कास्ट सेंटर , कास्ट कैटेगरी समरी , कास्ट सेंटर ब्रेकअप लेजर एंड ग्रुप ब्रेकअप , आउटस्टैंडिंग रिसीविएबल एंड पेबल ,इंट्रेसट रिसीयबल एंड पेबल , स्टैटिस्टिक , कैश फंड फलो , डेबुक लिस्ट आफ एकाउंट ,

Reversing Journal (रिवर्सिंग जर्नल)

Reversing Journal एक विशेष प्रकार का Journal Voucher है, जो एक निर्धारित तिथि (Applicable Upto Date) तक ही प्रभावी रहता है। निर्धारित तिथि के बाद इसका प्रभाव स्वतः समाप्त हो जाता है। यह वास्तविक खातों (Actual Books of Accounts) को प्रभावित नहीं करता, बल्कि Scenario Reports में उपयोग किया जाता है।

इसका उपयोग मुख्यतः Accrual Expenses तथा Accrual Income को अस्थायी रूप से रिपोर्ट में शामिल करने के लिए किया जाता है।

Reversing Journal के उपयोग

- मासिक या अंतरिम (Interim) वित्तीय रिपोर्ट तैयार करने में।
- ऐसे खर्चों को दिखाने में जिनका उपयोग वर्तमान माह में हुआ हो, लेकिन भुगतान बाद में होना हो।

- वास्तविक लाभ (Actual Profit) का अधिक सटीक अनुमान लगाने में।

उदाहरण:

जनवरी माह का किराया, वेतन या बिजली बिल फरवरी में भुगतान किया जाना है। यदि जनवरी का वास्तविक लाभ जानना हो, तो इन खर्चों को जनवरी की रिपोर्ट में शामिल करने के लिए Reversing Journal का उपयोग किया जाता है।

Reversing Journal Activate करना

1. Gateway of Tally → F11 (Features) → F1 (Accounting Features)
2. Use Reversing Journals & Optional Vouchers = Yes
3. Ctrl + A दबाकर सेव करें।

Reversing Journal Entry

1. Voucher Entry Screen में जाएँ।
2. F10 : Reversing Journal चुनें।
3. Date दर्ज करें।
4. Debit तथा Credit Account चुनें।
5. Applicable Upto तिथि दर्ज करें।
6. Voucher Save करें।

Scenario Report में देखना

Gateway of Tally → Accounts Info → Scenarios → Create

- Include Actuals = Yes/No
- Include = Reversing Journals
- Exclude = None

इसके बाद Scenario Report में Reversing Journal का प्रभाव देखा जा सकता है।

Reversing Journal का उपयोग अस्थायी (Provisional) आय एवं व्यय को रिपोर्ट में शामिल करने के लिए किया जाता है, जिससे किसी अवधि की वित्तीय स्थिति का अधिक सटीक विश्लेषण किया जा सके।

Optional Voucher (ऑप्शनल वाउचर)

Optional Voucher टैली ERP 9 की एक विशेष सुविधा है, जिसके द्वारा किसी सामान्य वाउचर (जैसे Payment, Receipt, Sales या Purchase Voucher) को अस्थायी रूप से Optional बनाया जा सकता है।

जब किसी वाउचर को Optional के रूप में चिह्नित किया जाता है, तो उसका प्रभाव खातों (Accounts) पर नहीं पड़ता और वह नियमित (Regular) लेखांकन में पोस्ट नहीं होता। इसका उपयोग मुख्यतः अनुमानित (Provisional) या संभावित लेनदेन को दर्ज करने के लिए किया जाता है।

Optional Voucher के उपयोग

- संभावित लेनदेन का पूर्वानुमान लगाने के लिए।
- Scenario Reports तैयार करने के लिए।
- वास्तविक खातों को प्रभावित किए बिना रिपोर्ट का प्रभाव देखने के लिए।

Optional Voucher बनाने की प्रक्रिया

1. किसी भी Voucher Entry Screen पर जाएँ।
2. वाउचर प्रविष्टि करें।
3. Ctrl + L दबाएँ।
4. वाउचर Optional Voucher के रूप में चिह्नित हो जाएगा।

Go to Gateway of Tally > Accounts Info. > Voucher Types > Alter .

2. Select a voucher type.

3. Set Make Optional as default to Yes .

4. Press Ctrl+A to accept.

नोट:

Ctrl + L दबाकर किसी वाउचर को Regular Voucher और Optional Voucher के बीच बदला (Toggle) जा सकता है।
Optional Voucher एक अलग Voucher Type नहीं है, बल्कि किसी सामान्य वाउचर को अस्थायी रूप से गैर-प्रभावी (Non-Posting) बनाने की सुविधा है।

.

Post-Dated Voucher (पोस्ट-डेटेड वाउचर)

Post-Dated Voucher वह वाउचर है जिसकी प्रभावी तिथि (Effective Date) भविष्य की होती है। ऐसे वाउचर की प्रविष्टि वर्तमान में की जाती है, लेकिन उसका प्रभाव निर्धारित तिथि आने पर ही खातों (Ledgers) में दिखाई देता है।

इसका उपयोग भविष्य में होने वाले नियमित भुगतानों या प्राप्तियों को पहले से दर्ज करने के लिए किया जाता है।

उदाहरण:

यदि किसी ऋण की मासिक किस्त (EMI) का भुगतान अगले महीने करना है, तो उसका Post-Dated Voucher पहले से बनाया जा सकता है।

Post-Dated Voucher बनाने की प्रक्रिया

1. Voucher Entry Screen पर जाएँ।
2. आवश्यक प्रविष्टि दर्ज करें।
3. Ctrl + T दबाएँ।
4. वाउचर Post-Dated के रूप में चिह्नित हो जाएगा।

Post-Dated Voucher Register

सभी Post-Dated Vouchers को निम्न स्थान पर देखा जा सकता है:

Gateway of Tally → Display → Exception Reports → Post-Dated Vouchers

विशेषता

- भविष्य की तिथि वाले लेनदेन पहले से दर्ज किए जा सकते हैं।
- निर्धारित तिथि आने पर ही उनका प्रभाव खातों में दिखाई देता है।
- ये Scenario Management का भाग नहीं होते हैं।

निष्कर्ष:

Post-Dated Voucher का उपयोग भविष्य में होने वाले लेनदेन को पहले से रिकॉर्ड करने के लिए किया जाता है, जिससे नियोजित भुगतानों एवं प्राप्तियों का प्रबंधन आसान हो जाता है।

1- रिपोर्ट से आप क्या समझते हैं ? टैली एकाउन्टिग में रिपोर्ट के महत्व को समझाइये। june-2015
2- टैली में स्कन्ध सम्बंधी रिर्पोट को उल्लेखित कीजिए। June-2018

3- लेखाकंन पुस्तकों से बनने वाली विभिन्न रिपोर्ट को आप कैसे बनाएगे?
June-2018
4- प्रतिवेदन से आप क्या समझते हैं ? टैली में उपस्थित विभिन्न प्रकार के प्रतिवेदनों को समझाइये ?
June-2013
5- गोडाउन समरी रिपोर्ट को समझाइये। June 2019

Previous Year Examination Questions (Unit–3)

Short Answer Questions

1. Balance Sheet क्या है?
2. Profit & Loss Account क्या है?
3. Trial Balance (तलपट) क्या है?
4. Ratio Analysis क्या है?
5. Cash Book और Bank Book क्या हैं?
6. Sales Register क्या है?
7. Purchase Register क्या है?
8. Journal Register क्या है?
9. Reversing Journal क्या है?
10. Optional Voucher क्या है?
11. Post-Dated Voucher क्या है?
12. Group Summary क्या है?

Long Answer Questions

1. Tally में Balance Sheet का महत्व एवं उपयोग समझाइए।
2. Profit & Loss Account को विस्तार से समझाइए।
3. Trial Balance क्या है? इसके उद्देश्य एवं सीमाएँ लिखिए।
4. Ratio Analysis रिपोर्ट का महत्व समझाइए।
5. Tally में Accounts Books की विभिन्न रिपोर्टों का वर्णन कीजिए।
6. Reversing Journal, Optional Voucher एवं Post-Dated Voucher को समझाइए।
7. Sales Register, Purchase Register तथा Journal Register का वर्णन कीजिए।
8. Group Summary एवं Account Books रिपोर्टों का महत्व समझाइए।

Previous Year Questions

June 2013

- प्रतिवेदन (Reports) से आप क्या समझते हैं? टैली में उपस्थित विभिन्न प्रकार के प्रतिवेदनों को समझाइए।
- अनुपात तार्किक (Ratio Analysis) को समझाइए।

June 2015

- रिपोर्ट से आप क्या समझते हैं? टैली अकाउंटिंग में रिपोर्ट के महत्व को समझाइए।

June 2018

- लेखांकन पुस्तकों से बनने वाली विभिन्न रिपोर्टों को आप कैसे बनाएंगे?
- टैली में स्कंध (Inventory) संबंधी रिपोर्टों का उल्लेख कीजिए।

January 2019

- गोडाउन समरी रिपोर्ट को समझाइए।

सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न (⭐ ⭐ ⭐)

1. Balance Sheet
2. Profit & Loss Account
3. Trial Balance
4. Ratio Analysis
5. Accounts Books Reports
6. Sales, Purchase एवं Journal Register
7. Reversing Journal
8. Optional Voucher
9. Post-Dated Voucher
10. Godown Summary Report